

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



OK
7/8/85

सं० 20] नई दिल्ली, शनिवार, मई 18, 1985 (वैशाख 28, 1907)
No. 20] NEW DELHI, SATURDAY, MAY 18, 1985 (VAISAKHA 28, 1907)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय सूची

पृष्ठ	पृष्ठ
भाग I—खण्ड-1—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांख्यिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिलेखनाएं	भाग II—खण्ड 3—उप-खंड (iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिनमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांख्यिक नियमों और सांख्यिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के हिस्से में प्राधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं)
417	
भाग I—खण्ड-2—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों आदि के सम्बन्ध में अधिलेखनाएं	भाग II—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा किए गए सांख्यिक नियम और आदेश
619	*
भाग I—खंड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गये संकल्पों और असांख्यिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिलेखनाएं	भाग III—खंड 1—उच्चतम न्यायालय, महानेका परीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेलवे प्रशासनों, उच्च न्यायालयों और भारत सरकार के संबद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिलेखनाएं
—	16899
भाग I—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों आदि के सम्बन्ध में अधिलेखनाएं	भाग III—खंड 2—पैडेंट कार्यालय, कनकता द्वारा जारी की गयी अधिलेखनाएं और नोटिस
663	429
भाग II—खण्ड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम	भाग III—खण्ड 3—मुख्य आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन रखवा द्वारा जारी की गई अधिलेखनाएं
*	—
भाग II—खण्ड-1-क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ	भाग III—खण्ड 4—विभिन्न अधिलेखनाएं जिनमें सांख्यिक निकायों द्वारा जारी की गई अधिलेखनाएं, विज्ञापन, और नोटिस शामिल हैं
*	1181
भाग II—खण्ड 2—विधेयक तथा विधेयकों पर प्रवर समितियों के विचार तथा रिपोर्टें	भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्ति और गैर-सरकारी निकायों द्वारा विज्ञापन और नोटिस
*	87
भाग II—खंड-3-उप-खंड (i)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांख्यिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियां शामिल भी शामिल हैं)	भाग V—मंजरी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के आंकड़े जो पिछले साल मगपुरक
*	*
भाग II—खण्ड 3-उप-खण्ड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांख्यिक आदेश और अधिलेखनाएं	

*पृष्ठ संख्या प्राप्त नहीं हुई।

CONTENTS

	PAGE		PAGE
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) ..	417	PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (Including bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by General Authorities (other than Administrations of Union Territories) ..	*
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) ..	619	PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence ..	*
PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence ..	—	PART III—SECTION 1—Notifications issued by the Supreme Court, Auditor General, Union Public Service Commission, Railways Administrations, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India ..	16899
PART I—SECTION 4—Notification regarding Appointments, Promotions, etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence ..	663	PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, Calcutta ..	429
PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations ..	*	PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners ..	—
PART II—SECTION 1-A—Authoritative text in the Hindi Language of Acts, Ordinances and Regulations ..	*	PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies ..	1181
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills ..	*	PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies ..	87
PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (i)—General Statutory Rules (including orders, by-laws, etc. of a general character) issued by the Ministries of the Government of India, (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) ..	*	PART V—Supplement showing statistics of Birth and Deaths etc. both in English and Hindi ..	*
PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) ..	*		

भाग I—खण्ड 1

[PART I—SECTION 1]

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बंधित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 8 मई 1985

सं० 50-प्रेज-85—राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश पुलिस के निम्नांकित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :-

अधिकारियों के नाम तथा पद

श्री सुखपाल सिंह,
पुलिस उप-निरीक्षक,
जिला बदायूं।

श्री दिगम्बर सिंह,
कांस्टेबल सं० 632,
सिविल पुलिस,
जिला बदायूं।

श्री राजपाल सिंह,
कांस्टेबल सं० 44,
सिविल पुलिस,
जिला बदायूं।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

18 नवम्बर, 1981, को उप-महानिरीक्षक (पुलिस), बरेली रेंज बदायूं, शाहजहांपुर, कलैयागढ़ और एटा जिलों के सीमांत क्षेत्रों में सीमा-पार कार्यवाही का आयोजन कर रहे थे। उन्हें गांव ककराला पी० सी० पटियाली के पास एक बाग में डाकू पोथी गिरोह की उपस्थिति के बारे में सूचना मिली। डाकू एस० एल० आर० और राइफलों से लैस थे। उन्होंने इन खूंखार घपराधियों को गिरफ्तार करने के लिए श्री सुखपाल सिंह, उप-निरीक्षक, के नेतृत्व में एक कृत्यक दल नियुक्त किया। श्री सुखपाल सिंह ने दल को दो टुकड़ियों में विभाजित किया। पहली टुकड़ी का उन्होंने स्वयं नेतृत्व सम्भाला और दूसरी टुकड़ी की कमान एक अन्य उप-निरीक्षक को सौंपी। श्री दिगम्बर सिंह, कांस्टेबल, और श्री राजपाल सिंह, कांस्टेबल, पहली टुकड़ी में थे। उन्होंने बाग को दक्षिण की ओर से घेर लिया और दूसरी टुकड़ी ने उत्तर-पूर्वी दिशा से घेरा डाला। पुलिस की उपस्थिति का आभास होने के कारण डाकूओं ने उन पर भारी गोलीबारी की। पुलिस दल ने भी आत्म-रक्षा में गोलियां चलायीं। गिरोह भारी गोलीबारी की आड़ में पीछे हटने लगा। श्री सुखपाल सिंह, उप-निरीक्षक, श्री दिगम्बर सिंह और श्री राजपाल सिंह, कांस्टेबलों, के साथ लगभग 7 किलोमीटर तक गिरोह का पीछा करते रहे जब तक वे गांव नंगला मोहन के पास नहीं पहुंच गए। श्री सुखपाल सिंह ने दक्षिण दिशा से भागते हुए डाकूओं को घेरने का प्रयास किया, परन्तु असफल रहे। श्री सुखपाल सिंह, श्री दिगम्बर सिंह और श्री राजपाल सिंह बाल-बाल बचे। डाकूओं की भारी गोलाबारी से घबराये बगैर वे तब तक रेंगते रहे जब तक डाकू ने दिखायी दिए। पुलिस दल और डाकूओं के बीच गोलीबारी के दौरान दो डाकू मारे गए और शेष डाकू बचकर भाग गए। बाद में पकड़ान करने पर मालूम हुआ कि वे रघुबीर मिश्र और जयवीर मिश्र थे। मैगजीनों के साथ एक एस० एल० आर०, 27 राउण्डों के साथ एक 303 राइफल और एम० एल० आर० की चार मैगजीनें बरामद हुईं।

श्री सुखपाल सिंह, उप-निरीक्षक, श्री दिगम्बर सिंह, कांस्टेबल और श्री राजपाल सिंह, कांस्टेबल, ने उत्कृष्ट वीरता और उच्चकोटि की कर्तव्य-परायणता का परिचय दिया।

यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 18 नवम्बर, 1981 से दिया जाएगा।

सं० 51-प्रेज/85—राष्ट्रपति असम पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :-

अधिकारी का नाम तथा पद
श्री एन० रामचन्द्रन,
पुलिस अधीक्षक,
गोहाटी सिटी।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

2 फरवरी, 1983, को श्री एम० रामचन्द्रन, पुलिस अधीक्षक, एस० डी० प्रो० (सिविल) तथा सीमा सुरक्षा बल की एक प्लाटून, 8वीं बटालियन केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल और सीमा सुरक्षा बल की 43वीं बटालियन के सहायक कमाण्डेंटों के साथ पश्चिम सूबा पार कर रहे थे। उन्होंने एक मोटर साइकिल सवार को दृष्टिहार बांटे देखा जिसके चारों ओर बच्चों की भीड़ थी। जब पुलिस अधीक्षक ने बच्चों को रोका तो वे भिन्न-भिन्न दिशाओं में भागे और सीमा सुरक्षा बल की प्लाटून ने उनका पीछा किया। बोल पीटने और शंख बजने की आवाज सुनकर सीर, कमानों तथा भाकों आदि से लैस लोग तुरन्त हकटते होने लगे। पुलिस अधीक्षक ने सीमा सुरक्षा बल के जवानों को वापस बुला लिया, परन्तु 43वीं सीमा सुरक्षा बल का सहायक कमाण्डेंट श्री रेशेरिंग गुम था। पुलिस अधीक्षक और अन्य एक स्टेनगन लेकर तुरन्त श्री रेशेरिंग को ढूँढने के लिए गए और उसे सीमा सुरक्षा बल के दो कांस्टेबलों के साथ सशस्त्र भीड़ द्वारा घिरा हुआ पाया गया। पुलिस अधीक्षक भीड़ में घुस गए और सहायक कमाण्डेंट को बचा लिया। भीड़ लगातार बढ़ती रही। पुलिस अधीक्षक ने चारों ओर सीमा सुरक्षा बल की प्लाटून सैनिकों को रखा था और वे भीड़ का पीछा कर रहे थे। परन्तु भीड़ तितर-बितर नहीं हुई। पुलिस अधीक्षक ने सीमा सुरक्षा बल को एक राउण्ड गोली चलाने का निदेश दिया जो दो बच्चों के पैरों में लगी और भीड़ तितर-बितर हो गयी। जब पुलिस अधीक्षक घायल बच्चों को उठाने के लिए दौड़े, तो भीड़ ने उन्हें घेर लिया। सीमा सुरक्षा बल से कप्तान ने दो और गोलियां चलायीं जो लोगों के पैरों में लगी और वे तितर-बितर हो गए। घायल बच्चों में से एक को मंगलबोई भेजा गया। जीप के लौटने तक भीड़ ने बोरवल गुड़ी में तीन बसों को घाग लगा दी थी और सड़क रोक दी थी। पुलिस अधीक्षक ने सीमा सुरक्षा बल के दल को सिपाक्षार में रहने का निदेश दिया। वे एस० डी० प्रो० (सिविल) के साथ बोरवल गुड़ी गए, जहाँ उन्हें सूचना मिली कि "सफ़ोला" पुल को घाग लगा दी गयी थी। वे परन्तु पुल की ओर गए और देखा कि भीड़ पुल के चारों ओर जमा थी। पुलिस अधीक्षक और उसके दल ने घाग बुझाई और पुल के नीचे रखे मिट्टी के तेल के कूर्मों को लुठकाने की कोशिश की। इस समय भीड़ उनकी तरफ दौड़ी और एस० डी० प्रो० (सिविल) ने कांस्टेबल को आत्मरक्षा में गोली चलाने का आदेश दिया। कांस्टेबल घबरा गया और बहु गोली नहीं चला सका। इसी बीच भीड़ घटनास्थल पर पहुंच गयी थी। एस० डी० प्रो० और दो कांस्टेबलों

के जीवन के खतरे को देखकर पुलिस अधीक्षक अपने जीवन की परवाह न करने हुए तुरन्त अदालत पर पहुँचे और राक्षस छीन ली। उन्होंने तुरन्त ही राउण्ड गोलियाँ चलायीं और भीड़ नितर-नितर हो गयी।

श्री एन० रामचन्द्रन पुलिस अधीक्षक, ने साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत बीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 2 फरवरी 1983 से दिया जाएगा।

सं० 52-प्रेष्ठ/85—राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उनकी बीरता के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक महर्ष प्रदान करने हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री रंगनाथ शुक्ल,

पुलिस उप-निरीक्षक,

जिला—फतेहपुर।

गैराओ का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

6 फरवरी 1983, को जब श्री रंगनाथ शुक्ल, उप-निरीक्षक, गाँव मुबारामऊ में जा रहे थे तो उनको सूचना मिली कि 7-8 सशस्त्र डाकुओं का गिरौह गश्तीक ही एक बाग में विश्राम कर रहा है। श्री शुक्ल उपलब्ध 5 कांस्टेबलों के साथ बाग में पहुँचे और दल की दो भागों में विभाजित कर दिया। तीन कांस्टेबलों का बाग के पश्चिम में तैनात किया गया और वे स्वयं पूर्व में रहे। पुलिस दल के पहुँचने का आभास होने पर गिरौह से छोपड़ी से बाहर निकलकर समुदा की घाटी की ओर भागना शुरू कर दिया। बचकर भागते हुए उन्होंने पुलिस दल पर गोली चलाई पुलिस दल ने भी जवाब में गोली चलाई और डाकुओं से गिरौह का पीछा किया। तुरन्त वे डाकुओं को रोकने में सफल हो गए। श्री शुक्ल ने कांस्टेबल को एक स्थान पर छोड़ दिया और उसको बहा से गोली चलते रहने का आदेश दिया। उनके पास 303 की राइफल थी और वे गिरौह को उस दिशा में अवलोकन करते थे जहाँ इसे उनके और पश्चिमी भाग पर तैनात 3 कांस्टेबलों के बीच लाकर पामा जा सके। जैसे ही वे “अरहर” के खेत में पहुँचे, दो डाकुओं द्वारा गोली चलाने से वे जखमी हो गए। यद्यपि वे जमीन पर गिर पड़े फिर भी उन्होंने जवाबी गोली चलायी जिससे एक डाकु मरकर मारा गया। घावों के बावजूद श्री शुक्ल ने रेंगकर बूझने डाकु का पीछा किया और उसको गोली मारने में सफल हो गए। इन डाकुओं को बाद में पट्टानने पर मानुस हुआ कि वे पहलवान तथा मुक्तान यादव गिरौह के देवनागयण तथा गंगा विष्णु यादव थे।

रम्प प्रकार श्री रंगनाथ शुक्ल, उप-निरीक्षक, ने उत्कृष्ट बीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पदक राष्ट्रपति का पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत बीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 6 फरवरी, 1983, से दिया जाएगा।

सं० 53-प्रेष्ठ/85—राष्ट्रपति राजस्थान पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उनकी बीरता के लिए पुलिस पदक महर्ष प्रदान करने हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री बृज मोहन,

कांस्टेबल इरॉवर सं० 363,

राज्य विशेष शाखा,

अजमेर।

गैराओ का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

30 जनवरी, 1984, को चार सशस्त्र डाकु मिरा इममार्शल रोड, जयपुर, पर स्थित जेल इम्पॉरियस में दाखिल हुए और दुकान के सन्दर्भ गोली चलाकर आतंक पैदा किया और 75,000 रुपए मूल्य के मूल्यवान् आभूषण और जेवहरात लूट लिए। दुकानदार के लड़के और दुकान में काम करने वाले व्यक्तियों ने उनका पीछा किया। उन्होंने उनमें से एक डाकु का पकड़ लिया। दूसरे डाकु ने दुकानदार के लड़के पर गोली चलायी जिससे वेद जखमी हो गया। डाकु भागने

में सफल हो गए। श्री बृज मोहन, कांस्टेबल, जो अपनी ड्यूटी समाप्त करके उस रास्ते से गुजर रहे थे, ने डाकुओं को भागते हुए देखा। उन्होंने तुरन्त डाकुओं का पीछा किया और एक डाकु के साथ हथपापाई की। दूसरे डाकु ने कांस्टेबल पर गोली चलायी। लेकिन सीमावर्षण से बच गए। साहस और बिना श्री बृज मोहन ने डाकु इममार्शल खान उर्फ जावेद को पकड़ लिया जिससे 16 सक्रिय कारतूसों के साथ 455 की एक घरी हुई बन्दूक और 30,000 रुपए मूल्य की लूटी गयी सम्पत्ति बरामद की गयी।

श्री बृज मोहन, कांस्टेबल, ने अतुलनीय साहस, बीरता और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत बीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 30 जनवरी 1984 से दिया जाएगा।

गु० नीलकण्ठन राष्ट्रपति का उप सचिव

विधि और न्याय मंत्रालय

विधि कार्य विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 6 अप्रैल 1985

संशोधन

सं० एक 6(12)/84-आई०सी०—भारत सरकार, भारत के राजपत्र, भाग 1, खण्ड 1, तारीख 1 अगस्त, 1981 में प्रकाशित, भारत सरकार के संकल्प सं० एक० 6(34)/81-आई०सी०, तारीख 9 जुलाई, 1981 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त संकल्प के खण्ड 2 के उप-खण्ड (3) के स्थान पर, निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(3) उच्चतम न्यायालय विधि संसद के तीन प्रतिनिधि जो उच्चतम न्यायालय विधिक सहायता समिति के अध्यक्ष द्वारा नामनिर्दिष्ट किए जाएंगे, जिनमें से एक अभिलेख अधिवक्ता होगा”।

आदेश

आदेश किया जाता है कि संकल्प के इस संशोधन की एक प्रति भारत सरकार के सभी मंत्रालयों और विभागों, राज्य सरकारों और संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों, आदि को संसूचित की जाए।

यह आदेश भी दिया जाता है कि संकल्प का यह संशोधन सर्वसाधारण की जानकारी के लिए, भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

बी०एस० शेखी, सचिव

वित्त मंत्रालय

राजस्व विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 10 मई 1985

संकल्प

फा० सं० 443/2/85-सी० शु० 4—वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) के संकल्प सं० फा० सं० 443/5/82-सी० शु० 4, तारीख 23 जुलाई 1984 का निम्नानुसार संशोधन किया जाता है :—

विविध प्रविष्टि (ii) (क) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा (ii) (क) श्री ए० बी० मिशनल—लोक मभा

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रति राष्ट्रपति के सचिवालय, प्रधान मंत्री के कार्यालय, मंत्रिमण्डल सचिवालय, संसदीय कार्य मंत्रालय, लोक मभा सचिवालय, राज्य मभा सचिवालय, योजना आयोग, भारत के नियंत्रक-महालेखा परीक्षक, महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व, लेखा महानियंत्रक, भारत सरकार के सभी मंत्रालयों और सभी विभागों, प्रेष सूचना एगें, मुख्य

लेखा नियंत्रक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमाशुल्क बोर्ड, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमाशुल्क के सभी समाहर्ताओं तथा सीमाशुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क सहायकार परिषद् के सभी सदस्यों को भेज दी जाए।

यह भी प्रादेश दिया जाता है कि इस संकल्प को सर्वसाधारण की जानकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित कर दिया जाए।

भारत 30 जुलाई 1985 पर गतिव,

कार्मिक और प्रशिक्षण, प्रशासनिक सुधार तथा

नोक गिरफ्तारी तथा पेंशन मंत्रालय

(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

नियम

नई दिल्ली, दिनांक 18 मई 1985

सं. 4/28/84-सी०एस० (1)—निम्नलिखित सेवाओं के ग्रेड-1 की चयन सूचियों में सम्मिलित करने के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा 1985 में की जाने वाली अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति के उम्मीदवारों के लिए सम्मिलित ग्रेड-1 (अथवा सचिव) सीमित विभागीय परीक्षा के नियम संबंधित गंतव्यों की गतिविधि से सर्वसाधारण की सूचना के लिए प्रकाशित किए जाते हैं :—

वर्ग-I

केन्द्रीय सचिवालय सेवा का ग्रेड-1

वर्ग-II

भारतीय विदेश सेवा, शाखा "ख" के सामान्य संवर्ग का ग्रेड-1

वर्ग-III

रेल बोर्ड सचिवालय का ग्रेड-1

1. प्रत्येक ग्रेड की चयन सूची में सम्मिलित करने के लिए चयन किए जाने वाले व्यक्तियों की संख्या आयोग द्वारा जारी किये गये नोटिस में निर्दिष्ट की जाएगी।

2. संघ लोक सेवा आयोग द्वारा यह परीक्षा परिशिष्ट में निर्धारित नियमों के अनुसार की जाएगी।

परीक्षा की तारीख और स्थान आयोग द्वारा निर्दिष्ट किये जाएंगे।

3. (क) स्थायी अधिकारी या अन्य ऐसे अधिकारी जिसका नाम नीचे कालम-1 में उल्लिखित ग्रेडों और सेवाओं की चयन सूची में सम्मिलित कर लिया गया है, जो अनुसूचित जातियाँ/अनुसूचित जन जाति का है, तथा जिसने 31 दिसम्बर, 1984 को कालम 2 में उल्लिखित सेवा में सम्बन्धित शर्तें पूरी कर ली हैं, कालम 3 में उल्लिखित सेवा के वर्ग हेतु परीक्षा में बैठने का पात्र होगा :—

कालम 1	कालम 2	कालम 3
केन्द्रीय सचिवालय सेवा का अनुभाग अधिकारी ग्रेड और/या केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा का ग्रेड "क"	केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में अथवा केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा के ग्रेड "क" में अथवा दोनों में, जैसी भी स्थिति हो, अनुमोदित तथा लगातार सेवा 4 वर्ष से कम न हो।	वर्ग-I

कालम 1	कालम 2	कालम 3
सामान्य संवर्ग का समेकित ग्रेड II और III और/या भारतीय विदेश सेवा "ख" के आशुलिपिक संवर्ग का चयन ग्रेड I	सामान्य संवर्ग का समेकित ग्रेड-II और III या भारतीय विदेश सेवा "ख" के आशुलिपिक संवर्ग के चयन ग्रेड अथवा दोनों में, जैसी भी स्थिति हो, अनुमोदित तथा लगातार सेवा 4 वर्ष से कम न हो।	वर्ग-II
रेल बोर्ड सचिवालय सेवा का अनुभाग अधिकारी ग्रेड और/या रेल बोर्ड आशुलिपिक सेवा का ग्रेड "क"	रेल बोर्ड सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में अथवा रेल बोर्ड आशुलिपिक सेवा के ग्रेड "क" अथवा दोनों में, जैसी भी स्थिति हो, अनुमोदित तथा लगातार सेवा 4 वर्ष से कम न हो।	वर्ग-III

टिप्पणी : (1) केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा/रेलबोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा के ग्रेड "क" तथा भारतीय विदेश सेवा, शाखा (ख) के आशुलिपिक संवर्ग के चयन ग्रेड के अधिकारियों के मामले में अनुमोदित सेवा में, उक्त सेवा के ग्रेड "ख"/ग्रेड-1 में की गयी अनुमोदित सेवा में, उक्त सेवा के ग्रेड "ख"/ग्रेड-1 में की गयी अनुमोदित सेवा की प्राप्ति अवधि शामिल होगी।

(2) सैनिक ब्यूटी में रहने पर अनुपस्थिति की किसी भी अवधि को उपर्युक्त पदों में से किसी भी पद के लिए निर्धारित सेवा काल में गिनने की अनुमति दी जाएगी।

(3) (i) केन्द्रीय सचिवालय सेवा/रेलबोर्ड सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी तथा केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा/रेल बोर्ड सचिवालय सेवा के ग्रेड "क" तथा

(ii) सामान्य संवर्ग के समेकित ग्रेड-II और III तथा भारतीय विदेश सेवा शाखा (ख) के आशुलिपिक संवर्ग के चयन ग्रेड के अधिकारियों को, जो सक्षम प्राधिकारी की अनुमति से संवर्ग बाह्य पद पर हैं, यदि अन्यथा पात्र हो, तो परीक्षा में प्रवेश की अनुमति होगी।

किन्तु यह किसी ऐसे अधिकारी पर लागू नहीं होगा जो किसी संवर्ग बाह्य पद पर नियुक्त हुआ हो अथवा स्थानांतरण पर किसी अन्य सेवा में नियुक्त किया गया हो और जिसका (i) और (ii) में उल्लिखित अपने-अपने ग्रेड में पुनर्गठनाधिकार न हो।

(4) परीक्षा में प्रवेश के लिए अथवा अन्यथा किसी बात के लिए उम्मीदवार की पात्रता के बारे में आयोग का निर्णय अन्तिम होगा।

(5) किसी भी उम्मीदवार को जब तक परीक्षा में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी जब तक कि उसके पास आयोग से प्राप्त प्रवेश प्रमाण-पत्र न हो।

(6) आयोग द्वारा निम्नलिखित कारणों से शेषित, शेषी उम्मीदवारों की जिम्मेदारी :—

- (1) किसी भी तरीके से अपनी अभ्यर्थता के लिए मसंध प्राप्त करने, अथवा
- (2) प्रतिस्पर्ध करने, अथवा
- (3) किसी व्यक्ति द्वारा प्रतिस्पर्ध करवाने, अथवा
- (4) जानी अथवा ऐसे दस्तावेज प्रस्तुत करना जिनमें दूर-फेर किया हो, अथवा

- (5) गलत अथवा असत्य विवरण देने अथवा तथ्य को छिपाने अथवा,
- (6) परीक्षा के लिए अपनी अभ्यर्थिता के सम्बन्ध में किसी अन्य अनियमित अथवा अनुपयुक्त तरीकों से काम लेने, अथवा
- (7) परीक्षा के दौरान अनुचित तरीके अपनाने, अथवा
- (8) उत्तर (पुस्तिकाओं) में अप्रसंगिक विषय लिखने, जिसमें अश्लील भाषा अथवा अश्लील सामग्री शामिल है अथवा
- (9) परीक्षा भवन में किसी प्रकार का दुर्व्यवहार करने, अथवा
- (10) परीक्षाओं को आयोजित करने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान करने अथवा उन्हें शारीरिक नुकसान पहुंचाने, अथवा
- (11) उम्मीदवारों को परीक्षा देने की अनुमति देते हुए प्रेषित प्रवेश प्रमाण-पत्र के साथ जारी किसी अनुदेश का उल्लंघन किया हो, या
- (12) पूर्वोक्त खण्डों में बताया गया कोई काम करने का प्रयत्न अगर कोई करता हो या इन कामों को करने के लिए किसी को उकसाता हो वो उसके खिलाफ आपराधिक अभियोग तो चलाया ही जा सकता है, इसके अनि-रिक्त उसे आयोग द्वारा उस परीक्षा
 - (क) के लिए अयोग्य ठहराया जा सकता है जिसके लिए वह उम्मीदवार है, अथवा
 - (ख) (i) आयोग द्वारा आयोजित किसी भी परीक्षा अथवा चयन से,
 - (ii) केन्द्र सरकार द्वारा अपने अधीन किसी भी नियोजन से, स्थायी रूप से अथवा किसी विनिर्दिष्ट अवधि के लिए वजित किया जा सकता है, और
 - (ग) संयुक्त नियमों के अन्तर्गत अनुशासनिक कार्य-वाही की जा सकती है। किन्तु इसे यह है कि इस नियम के अधीन कोई शास्ति तब तक नहीं दी जाएगी जब तक
 - (i) उम्मीदवार को इस सम्बन्ध में लिखित अभ्यावेदन, जो वह देना चाहें, प्रस्तुत करने का अवसर न दिया गया हो, और
 - (ii) उम्मीदवार द्वारा अनुमत समय में प्रस्तुत अभ्यावेदन पर, यदि कोई हो, विचार न लिया गया हो।

(7) आयोग जिन उम्मीदवारों को परीक्षा के परिणाम के आधार पर चयन के लिए उपयुक्त समझेगा उनके नामों की, जिसमें दोनों अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवार सम्मिलित होंगे, योग्यता क्रम में एक ही सूची बनाएगा। और इस क्रम से जितने भी उम्मीदवार आयोग द्वारा योग्य पाए जाएंगे उनकी चयन सूची में सम्मिलित करने के लिए अपेक्षित संख्या तक अनुशंसा की जाएगी।

टिप्पणी :—उम्मीदवारों को यह स्पष्ट रूप से समझ लेना चाहिए कि यह प्रतियोगिता परीक्षा है न कि प्रवृत्ति परीक्षा। परीक्षा के परिणाम के आधार पर प्रत्येक चयन सूची में शामिल किये जाने वाले व्यक्तियों को संख्या नियत करने के लिए सरकार पूरी तरह से सशक्त है। कोई भी उम्मीदवार इस परीक्षा में अपने निर्वाचन के आधार पर चयन सूची में शामिल किए जाने के लिए अधिकार के रूप में दावा नहीं कर सकेगा।

(8) प्रत्येक उम्मीदवार को परीक्षा फल की सूचना किस रूप में और किस प्रकार दी जाए, इसका निर्णय आयोग स्वयं करेगा। आयोग परीक्षा फल के बारे में किसी भी उम्मीदवार में पक्षाघात नहीं करेगा।

(9) परीक्षा में सफल हो जाने मात्र से नियुक्ति का अधिकार तब तक नहीं मिलता, जब तक कि सरकार आवश्यक जांच के बाद संतुष्ट न हो जाए कि उम्मीदवार सेवा में कार्य संचालन की दृष्टि से चयन के लिए हर प्रकार से योग्य है।

परन्तु आयोग द्वारा चयन के लिए अनुमोदित किए गए किसी उम्मीदवार को चयन के लिए अपात्र मानने के बारे में निर्णय आयोग के साथ परामर्श करके किया जाएगा।

(10) यदि कोई उम्मीदवार जो परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन-पत्र भेजने के बाद अथवा परीक्षा में बैठने के बाद अपनी नियुक्ति से त्यागपत्र दे देता है अथवा और किसी कारणवश सेवा छोड़ देता है अथवा उससे सम्बन्ध विच्छेद कर लेता है अथवा उसकी सेवा उसके विभाग द्वारा समाप्त कर दी जाती है अथवा उसे किसी संवर्ग बाह्य पद पर अथवा अन्य सेवा में स्थानांतरण पद नियुक्त कर दिया जाता है और उसका उपयुक्त नियम 3(क) के कालम 1 में उल्लिखित श्रेणी और सेवाओं में अपना पुनर्ग्रहण अधिकार नहीं है तो वह इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्त होने का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यह बात उस व्यक्ति के मामले में लागू नहीं होती जो सक्षम प्राधि-कारी के अनुमोदन से संवर्ग बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त हो।

बी० डी० चट्टा, अवर सचिव,

परिशिष्ट

परीक्षा निम्नलिखित योजना के अनुसार आयोजित की जाएगी।

भाग—I निम्नलिखित विषयों पर दो प्रश्न-पत्रों की लिखित परीक्षा होगी जिनमें से हर एक के 200 प्रश्न रखे गए हैं।

प्रश्न पत्र—I (i) भारत सरकार सचिवालय और संलग्न कार्यालयों की प्रक्रिया और पद्धति

(वर्ग I और II के लिए)

(II) कार्यालय प्रक्रिया और पद्धति

(वर्ग III के लिए)

प्रश्न-पत्र II भारतीय संविधान तथा शासन तंत्र का सामान्यज्ञान संसदीय पद्धति और प्रक्रिया।

प्रत्येक प्रश्न पत्र 2 1/2 घण्टे का होगा।

भाग—II आयोग की विवक्षा पर ऐसे उम्मीदवारों के गोपनीय अभिलेखों को मूल्यांकन तथा साक्षात्कार—200 प्रश्न

2. परीक्षा की पाठ्यचर्या अनुसूची के अनुसार होगी।

3. उम्मीदवारों को प्रश्नों के उत्तर अंग्रेजी तथा हिन्दी (देवनागरी) में देने का विकल्प होगा। प्रश्न-पत्र अंग्रेजी और हिन्दी में तैयार किए जाएंगे।

टिप्पणी I—सभी प्रश्नों के लिए एक-सा विकल्प होगा तथा उसी प्रश्नपत्र में विभिन्न प्रश्नों के लिए अलग-अलग विकल्प नहीं होगा।

टिप्पणी II—उक्त प्रश्न-पत्रों का उत्तर हिन्दी (देवनागरी) में देने को विकल्प देने वाले उम्मीदवारों को अपने 'इस इरादे का उल्लेख आवेदन पत्र के सम्बद्ध कालम में स्पष्ट रूप से करना चाहिए, नहीं तो यह समझा जाएगा कि वे सभी प्रश्न-पत्रों के उत्तर अंग्रेजी में ही देंगे। एक बार दिया गया विकल्प अन्तिम मान लिया जाएगा तथा उक्त कालम में परिवर्तन करने का कोई भी अनुरोध स्वीकार नहीं किया जाएगा।

टिप्पणी III—प्रश्न पत्र के उत्तर हिन्दी (देवनागरी) में लिखने वाले उम्मीदवार, यदि वे चाहें तो, हिन्दी की ही पारिभाषिक शब्दावली, यदि कोई हो, के साथ अंग्रेजी पर्याय भी कोष्ठक में दे सकते हैं।

4. उम्मीदवारों को प्रश्न पत्रों के उत्तर स्वयं ही लिखने होंगे। किसी भी परिस्थिति में उत्तर लिखने के लिए उन्हें किसी अन्य व्यक्ति की सहायता लेने की अनुमति नहीं होगी।

5. आयोग अपनी विवक्षा पर परीक्षा के किसी एक या सभी भागों के अर्हक अंक निर्धारित करेगा। केवल उन्हीं उम्मीदवारों के गोपनीय रिपोर्टों के मूल्यांकन तथा साक्षात्कार के लिए बुलाए जाने पर विचार किया जाएगा जो लिखित परीक्षा में आयोग की विवेकानुसार नियत किए गए न्यूनतम अर्हक प्राप्त कर लेंगे।

6. मात्र सतही ज्ञान के लिए कोई अंक नहीं दिए जाएंगे।

7. लिखित विषयों में प्रस्पष्ट लिखाई के लिए अधिकतम अंकों के 5 प्रतिशत अंक तक काट लिए जाएंगे।

8. परीक्षा के सभी विषयों में इस बात को ध्यान दिया जाएगा कि अभिव्यक्ति कम से कम शब्दों में कमबख्त तथा प्रभावपूर्ण ढंग से और ठीक-ठीक की गयी हो।

9. उम्मीदवारों को प्रश्न पत्रों के उत्तर लिखते समय भारतीय अंकों के अंतर्राष्ट्रीय रूप (प्रषात्) 1, 2, 3, 4, 5, 6 आदि का ही प्रयोग करना चाहिए।

अनुसूची

परीक्षा की पाठ्यचर्या

जहां नियमों, आदेशों, अनुदेशों आदि का ज्ञान अपेक्षित है, उम्मीदवारों से यह आशा की जाएगी कि वे इस परीक्षा की अधिसूचना की तारीख तक जारी किए गए संशोधनों की जानकारी रखें।

भारत सरकार के मंत्रिपालय तथा सम्बद्ध कार्यालयों की प्रक्रिया और पद्धति (वर्ग-I तथा II के लिए)।

इसका उद्देश्य भारत सरकार के सचिवालय तथा सम्बद्ध कार्यालयों की प्रक्रिया और पद्धति में गहन तथा विस्तृत परीक्षा है। इस विषय पर कुछ मार्गदर्शन निम्नलिखित पुस्तकों से प्राप्त किया जा सकता है।

- (i) इस अधिसूचना के समय प्रचलित कार्यालय प्रक्रिया पुस्तिका
- (ii) कार्यालय प्रक्रिया पर सचिवालय प्रक्रिया तथा प्रबंध संस्थापन द्वारा जारी की गयी टिप्पणियां।
- (iii) संघ के सरकारी काम-काज में हिन्दी के प्रयोग से संबंधित गृह मंत्रालय द्वारा जारी की गयी आदेशों की पुस्तिका।

कार्यालय प्रक्रिया और पद्धति (वर्ग III के लिए)

इसका उद्देश्य रेल मंत्रालय (रेल बोर्ड) तथा सम्बद्ध कार्यालयों में कार्यविधि तथा कार्य प्रणाली में गहन तथा विस्तृत परीक्षा है, इस विषय पर कुछ मार्गदर्शन निम्नलिखित पुस्तकों से प्राप्त किया जा सकता है।

- (i) इस अधिसूचना के समय (रेल मंत्रालय रेल बोर्ड) द्वारा जारी की गयी प्रचलित कार्यालय प्रक्रिया पुस्तिका।
- (ii) गृहमंत्रालय द्वारा जारी की गयी "संघ के सरकारी काम-काज में हिन्दी के प्रयोग में सम्बन्धित आदेशों की पुस्तिका"।

भारत के संविधान और शासन तंत्र, संसद प्रक्रिया और पद्धति का सामान्य ज्ञान

टिप्पणी :—निम्नलिखित विषयों के ज्ञान की अपेक्षा की जाती है।

- (1) भारत के संविधान के मुख्य सिद्धांत
- (2) लोक सभा तथा राज्य सभा की प्रक्रिया तथा कार्यसंचालन सम्बन्धी नियमावली।

(3) भारत सरकार के शासन तंत्र का संगठन मंत्रालयों, विभागों तथा संबद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों के पदानाम तथा उनमें विषयों का आवंटन और उनके परस्पर सम्बन्ध।

(प्रौद्योगिक विकास विभाग)

तकनीकी विकास महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 27 अप्रैल 1985

संकल्प

सं० एसो/वैतल/84/बि०-III—दिनांक 17 सितम्बर, 1983 के संकल्प सं० एसो/वैतल/83/647 के क्रम में, श्री एम०एल० डबराल, सदस्य सचिव के सेवानिवृत्त हो जाने के फलस्वरूप, भारत सरकार ने एसबेस्टॉस उत्पादन उद्योग को विकास नामिका का निम्न प्रकार से गठन करने का निर्णय किया है :—

क० सं० 17 :—श्री एम० एल० डबराल,
भूतपूर्व विकास अधिकारी
तकनीकी विकास महानिदेशालय,
डी-879, लक्ष्मीबाई नगर,
नई दिल्ली। सदस्य

क० सं० 18 :—श्री पी०के० जैन,
विकास अधिकारी,
तकनीकी विकास महानिदेशालय,
उद्योग भवन, नई दिल्ली। सदस्य-सचिव

दिनांक 17-9-83 के संकल्प में क० सं० 1 से 16 तक की संरचना में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है।

प्रावेश

प्रावेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रति सभी सदस्यों को भेजी जाए। यह भी प्रावेश दिया जाता है कि इस संकल्प को आम सूचना के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

के०सी० गंजवाल, निदेशक (प्रशासन)

कृषि और ग्रामीण विकास मंत्रालय

(कृषि और सहकारिता विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 24 अप्रैल 1985

संकल्प

सं० 48-3/85-मेडू—भारत सरकार ने केन्द्रीय भेड़ प्रजनन फार्म, हिसार के लिये एक प्रबन्ध समिति गठित करने का निर्णय किया है। प्रबन्ध समिति का गठन निम्न प्रकार होगा :—

- | | |
|---|----------------|
| 1. अवर सचिव,
कृषि और सहकारिता विभाग | अध्यक्ष |
| 2. पशुपालन आयुक्त,
कृषि और सहकारिता विभाग | सदस्य |
| 3. संयुक्त सचिव तथा वित्तीय
सहायकार,
कृषि और सहकारिता विभाग | सदस्य |
| 4. निदेशक,
केन्द्रीय भेड़ प्रजनन फार्म
हिसार | सदस्य |
| 5. संयुक्त आयुक्त, (मेडू)
कृषि और सहकारिता विभाग | सदस्य-
सचिव |

2. प्रबन्ध समिति नीचे दिये गये कामों तथा अधिकारों का उपयोग करेगी :—

- (क) नीति सम्बन्धी सभी मामलों पर विचार करना तथा स्वीकार करना। योजना का प्रावश्यकताओं की दृष्टि से लिये आवश्यक संगतियों का निर्धारण करना।
- (ख) कामों के कार्यों के क्रियाव्ययन की प्रगति की समीक्षा करना।
- (ग) पुनर्स्थापन की शक्तियों से संबंधित प्रतिबंधों के अनुसार स्वीकृत कार्यक्रम के संघर्ष में निधियों के पर्याप्त पुनः आवंटन वाले वार्षिक कार्यक्रम के परिवर्तन पर विचार करना तथा उन्हें स्वीकार करना।
- (घ) कामिक प्रबंध से संबंधित सभी मामलों पर विचार करना तथा नीतियों की सिफारिश करना।

3. प्रबन्ध समिति भारत सरकार द्वारा योजना से संबंधित किसी मामले के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी किये जाने वाले निर्देशों का अनुपालन करेगी।

4. प्रबन्ध समिति सभी वित्तीय शक्तियों का प्रत्यायोजन नियमावली 1958 के नियम 13(2) के तहत केन्द्रीय सरकार के मंत्रालयों को प्रत्यायोजित सभी शक्तियों का प्रयोग करेगी। प्रत्यायोजन शक्तियों में निम्न शक्तियाँ शामिल नहीं होंगी :—

- (1) पदों का मूजन
- (2) हानियों को बढ़े खाते में शामिल करना।
- (3) मूल बजट प्रावधान के 10 प्रतिशत से अधिक निधियों का पुनर्विभाजन करना।

प्रबन्ध समिति वर्ष में दो बैठकें और प्रावश्यकतानुसार अधिक बैठकें भी करेगी।

प्रादेश

प्रादेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रति सभी राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्रों, भारत सरकार के सभी मंत्रालयों/विभागों, मन्त्रिमंडल सचिवालय, प्रधान मंत्री सचिवालय, राष्ट्रपति सचिवालय, योजना आयोग, भारत के नियंत्रक तथा महालेखा परीक्षक, महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व, वाणिज्यिक लेखा परीक्षा निदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद तथा नीवहन महाविशेषक को भेज दी जाए।

यह भी प्रादेश दिया जाता है कि इस संकल्प को आम जानकारी के लिये भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाय।

बी०एस० राव, अपर सचिव

जिला मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 29 अप्रैल 1985

सं० फा० 10-3/85-विश्व-5—भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नियमावली के नियम 3 और 6 के अनुसार श्री के० पी० गीताकृष्णन्, अपर सचिव, भारत सरकार शिक्षा मंत्रालय (व्यय विभाग) को श्रीमती मोतिमा शीविया के स्थान पर शोध अध्यक्ष के लिये, अर्थात् 24 जुलाई, 1987 तक परिषद के एक सदस्य के रूप में मनोनीत किया जाता है।

एस० के० सेनगुप्ता, अपर सचिव

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 8th May 1985

No. 50-Pres/85.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officers of the Uttar Pradesh Police :—

Name and rank of the officers

Shri Sukhpal Singh
Sub-Inspector of Police, Distt Badaun.

Shri Digambar Singh
Constable No. 632, Civil Police,
Distt. Badaun.

Shri Rajpal Singh,
Constable No. 44, Civil Police,
District Badaun.

Statement of services for which the decoration has been awarded

On the 18th November, 1981, the Deputy Inspector General (Police), Bareilly Range, was organising a trans-Border operation in the bordering areas of districts Badaun, Shahjahanpur, Fatehgarh and Etah. He received an information about the presence of dacoit pothi gang in a grove near village Kakrala, PC Patiali. The dacoits were armed with SLRs and Rifles. He deputed a task force of Badaun district under the leadership of Shri Sukhpal Singh, Sub-Inspector, for the arrest of these hardened criminals. Shri Sukhpal Singh divided the force into two parties. He himself led the first party and the command of the second party was entrusted to another Sub-Inspector, Shri Digambar Singh Constable, and Shri Rajpal Singh, Constable, were in the first party. They surrounded the grove from South and the second party threw a cardon from the North-Western side. On sensing the presence of the police, the dacoits opened heavy fire on them. The police party also opened fire in self defence. The gang started retreating under the cover of heavy fire. Shri Sukhpal Singh, Sub-Inspector, alongwith Shri Digambar Singh and Shri Rajpal Singh, Constables chased the gang for about 7 Kms. till they reached near village Nagla Mohan. Shri Sukhpal Singh tried to surround the fleeing dacoits from southern side but in vain. Shri Sukhpal Singh, Shri Digambar Singh and Shri Rajpal Singh narrowly escaped. Undeterred by the heavy firing from the dacoits, they continued crawling till the dacoits appeared. During the

exchange of fire between the police party and the dacoits, two dacoits were killed and the remaining managed to escape. Later they were identified as Raghubir Singh and Jaibir Singh. One SLR with magazine, one .303 rifle with 27 rounds, one handgrenade and four magazines of SLR were recovered.

Shri Sukhpal Singh, Sub-Inspector, Shri Digambar Singh, Constable, and Shri Rajpal Singh, Constable, exhibited conspicuous gallantry and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 18th November, 1981.

No. 51-Pres/85.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Assam Police :—

Name and rank of the officers

Shri N. Ramachandran,
Supdt. of Police,
Guwahati City.

Statement of services for which the decoration has been awarded

On the 2nd February, 1983, Shri N. Ramachandran, Superintendent of Police, Darrang, alongwith the SDO (Civil) and a platoon of Border Security Force, with Asstt. Commandants from 8th Bn., Central Reserve Police Force and 43 Bn. Border Security Force were crossing Paschim Suba. They noticed a motorcyclist distributing pamphlets and a crowd of boys around him. When the Superintendent of Police intercepted the boys, they ran in different directions and were chased by BSF platoon. On hearing the sound of drums beating and conch shell blowing, people armed with bows, arrows and spears etc. Immediately began to collect. The BSF personnel were called back by the Superintendent of Police, but Shri Tshering, Asstt. Commandant of 43 BSF was found missing. The Superintendent of Police and others with a stengun immediately rushed to trace Shri Tshering and found him with two BSF constables surrounded by the armed mob. The Superintendent of Police charged into the crowd and rescued the Asstt. Commandt. The mob continued to increase. The Superintendent of Police had deployed BSF platoon around and was chasing the crowd. But the crowd did not disperse, the Superintendent of Police

directed the BSF to fire one around which hit two boys in their legs and the crowd dispersed. When the Superintendent of Police ran to pick up the injured boys, he was surrounded by the mob. The BSF Section fired two more rounds, which hit the people in their legs and they dispersed. One of the injured boys was sent to Mangaldoi. By the time, the jeep returned, the crowd had set three buses ablaze at Bordalguri and the road was blocked. The Superintendent of Police directed the BSF party to remain at Spiaphar. He alongwith SDO (Civil), went to Bordalguri where they got the information that the 'Sakola' bridge was set on fire. They immediately rushed towards the bridge and found the mob clustered around the bridge. The Supdt. of Police and his party extinguished the fire and tried to roll down the kerosene drums kept underneath the bridge. At this point, the crowd rushed towards them and the SDO (Civil) ordered the Constable to fire in self defence. The Constable became nervous and could not fire. In the meantime the crowd had already reached the spot. Sensing danger to the lives of SDO and two constables, the Superintendent of Police, without caring for his own life, dashed to the spot and snatched the rifle. He immediately opened two rounds of fire and dispersed the crowd.

Shri N. Ramachandran, Superintendent of Police, exhibited courage and devotion to duty of a high order.

This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 2nd February, 1983.

No. 52-Pres/85.—The President is pleased to award the President's Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Uttar Pradesh Police :—

Name and rank of the officers

Shri Rang Nath Shukla,
Sub-Inspector of Police,
Distt. Fatehpur (UP).

Statement of services for which the decoration has been awarded

On the 6th February, 1983, when Shri Rang Nath Shukla, Sub-Inspector of Police was passing through village Subramau, he received information that an armed dacoit gang consisting of 7-8 persons was resting in a near-by grove. Shri Shukla alongwith the available five Constables, approached the grove and divided the party into two. Three Constables were put on the Western side of the grove and he himself took the Eastern side. On sensing the approach of the police party the gang started rushing out of the hut towards the Yamuna ravines. While escaping they opened fire on the police party who also returned the fire and chased the dacoit gang. Soon they succeeded in stopping them. Shri Shukla dropped the Constable at one point and ordered him to continue the firing from that side. He was armed with .303 rifle and was trying to push the gang into the direction where it could be trapped in between him and the three Constables deployed on the western flank. As soon as he arrived at the "Arhar" field, he received bullet injuries on account of firing by two dacoits. Although he fell down on the ground, yet he fired back and shot one of the dacoits dead instantaneously. Despite the injuries Shri Shukla pursued the other dacoit by crawling and succeeded in shooting him down. These two dacoits were later indentified as Dev Narain and Ganga Bishnu Yadav of Pehalwan and Sultan Yadav gang.

Shri Rang Nath Shukla, Sub-Inspector thus exhibited conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the President's Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 6th February, 1983.

No. 53-Pres/85.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Rajasthan Police :—

Name and rank of the officer

Shri Brij Mohan,
Constable Driver No. 363,
State Special Branch, Jaipur.

2—61GI/85

Statement of services for which the decoration has been awarded

On the 30th January, 1984, four armed dacoits entered the Jewel Emporium at Mirza Ismail Road, Jaipur, and created panic by firing inside the shop and looted precious ornaments and jewellery worth about Rs. 75,000/-. They were chased by the proprietor's son and the workers of the shop. They caught hold of one of the dacoits and the other fired on the proprietor's son inflicting bullet injuries. While the dacoits managed to run away, Shri Brij Mohan, Constable who was passing through that way after the completion of his duty witnessed them. He immediately chased the dacoits and grappled with one of the dacoits. Another dacoit fired upon the Constable, but he luckily escaped. Without losing courage, Shri Brij Mohan caught hold of dacoit Ibrahim Khan @ Javed from whom one loaded .455 revolver with 16 live cartridges and looted booty worth Rs. 30,000/- were recovered.

Shri Brij Mohan Constable, exhibited exemplary courage, bravery and devotion to duty of a high order.

This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 30th January, 1984.

S. NILAKANTAN
Dy. Secy. to the President.

MINISTRY OF LAW AND JUSTICE
DEPARTMENT OF LEGAL AFFAIRS
New Delhi, the 6th April 1985

AMENDMENT

No. F. 6(12)/84-IC.—The Government of India hereby makes the following amendment to Resolution No. F. 6(34) 81-IC dated 9th July, 1981 of the Government of India published in Part-I, Section I of the Gazette of India dated 8th August, 1981, namely—

In the said Resolution sub-clause (3) of Clause 2 shall be substituted as under :—

"(3) Three representatives of the Supreme Court Bar Association to be nominated by the President of the Supreme Court Legal Aid Committee, one of them being an Advocate-on-record".

ORDER

ORDERED that a copy of this amendment to the Resolution be communicated to all Ministries and Departments of the Government of India, State Governments and Union Territory Administrations etc.

ORDERED also that the amendment to the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

B. S. SEKHON, Secy.

MINISTRY OF FINANCE
(DEPARTMENT OF REVENUE)

New Delhi, the 10th May 1985

RESOLUTION

F. No. 443/2/85-Cus.IV.—The Ministry of Finance (Department of Revenue) Resolution F. No. 443/5/82-Cus.IV dated the 23rd July, 1984 is hereby amended as under :—

For the existing entry (ii) (a), the following shall be substituted :—

(ii) (a) Shri S. B. Signal—Lok Sabha.

ORDER

ORDERED that a copy of this Resolution be communicated to President's Secretariat, Prime Minister's Office, Cabinet Secretariat, Ministry of Parliamentary Affairs, Lok Sabha Secretariat, Rajya Sabha Secretariat, Planning Commission, Comptroller and Auditor General of India, Accountant General,

Central Revenues, Controller General of Accounts, All Ministries and Departments of the Government of India, Press Information Bureau, Chief Controller of Accounts, Central Board of Excise and Customs, All Collectors of Customs and Central Excise and all Members of the Customs and Central Excise Advisory Council.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

BHARAT B. JULKA, Addl. Secy.

DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS
(BUDGET DIVISION)

New Delhi, the 14th April 1985

CORRIGENDA

No. F.1(27)-B(AC) 84.—For the words "28th February, 1984" appearing in the English Notification published in the Gazette of India Extraordinary (Part I Section I) vide issue No. 181 dated 10th December, 1984, the words "28th February 1985" may be substituted.

A. K. PATNAIK, Under Secy.

MINISTRY OF PERSONNEL AND TRAINING
ADMINISTRATIVE REFORMS & PUBLIC GRIEVANCES
AND PENSION

(DEPARTMENT OF PERSONNEL AND TRAINING)

RULES

New Delhi, the 18th May 1985

No. F. 4/28/84-CS. I.—The rules for a combined Grade I (Under Secretary) Limited Departmental Competitive Examination for Scheduled Caste/Scheduled Tribe Candidates to be held in the Union Public Service Commission in 1985 for additions in the Select Lists for Grade-I of the Services mentioned below are, with the concurrence, of the Ministries concerned published for general information.

CATEGORY-I

Grade-I of the Central Secretariat Service.

CATEGORY-II

Grade-I of the General Cadre of the Indian Foreign Service, Branch 'B'.

CATEGORY-III

Grade-I of the Railway Board Secretariat Service.

1. The number of persons to be selected for inclusion in the Select List for each grade will be specified in the Notice issued by the Commission.

2. The examination will be conducted by the Union Public Service Commission in the manner prescribed in the Appendix to these Rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

3. Permanent Officers or any Officer whose name has been included in the Select List of the grade and services mentioned in Column below who belongs to Scheduled Castes/Scheduled Tribes and who on 31st December, 1984 satisfy the conditions regarding length of service mentioned in Column 2 be eligible to appear at the examination for the category of service mentioned in Column 3.

Column 1	Column 2	Column 3
Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service and/or Grade 'A' of the Central Secretariat Stenographers' Service.	Not less than 4 years approved and continuous service in the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service or in Grade 'A' of the Central Secretariat Stenographers' Service or in both as the case may be.	Category I

1	2	3
Integrated Grades II and III of the General Cadre and/or Selection Grade of the Stenographers' Cadre of the Indian Foreign Service 'B'.	Not less than 4 years approved and continuous service in integrated Grades II and III of the General Cadre or in Selection Grade of the Stenographers' Cadre of the Indian Foreign Service 'B' or in both as the case may be.	Category II
Section Officers' Grade of Railway Board Secretariat Service and/or Grade 'A' of the Railway Board Secretariat Stenographers' Service.	Not less than 4 years approved and continuous service in the Section Officers' Grade of the Railway Board Secretariat Service or in Grade 'A' of the Railway Board Secretariat Stenographers' Service or in both as the case may be.	Category III

NOTE (1) :—In the case of Grade 'A' Officers of the Central Secretariat Stenographers' Service/Railway Board Secretariat Stenographers' Service and Selection Grade of the Stenographers' Cadre of Indian Foreign Service, Branch (B), the approved service shall include half of the approved service rendered in Grade 'B'/Grade-I of that service.

NOTE (2) :—Any period of absence on Military duties may be allowed to be counted towards the prescribed length of service in any of the above posts.

NOTE (3) :—(i) Section Officers of the Central Secretariat Service/Railway Board Secretariat Service and Grade 'A' of the Central Secretariat Stenographers' Service/Railway Board Secretariat Stenographers' Service, and (ii) Officers of the Integrated Grade-II and III of the General Cadre and Selection Grade of Cadre of Indian Foreign Service Branch (B), who are on deputation to ex-cadre posts with the approval of the competent authority shall be eligible to be admitted at the examination if otherwise eligible.

Provided that it shall not apply to an Officer who has been appointed to an ex-cadre post or to another service on transfer and does not have a lien in the respective Grade mentioned at (i) and (ii).

4. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

5. No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

6. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of :—

- (i) obtaining support for his candidature by any means; or
- (ii) Impersonating; or
- (iii) Procuring impersonation by any person; or
- (iv) submitting fabricated document or documents which have been tampered with; or
- (v) Making statements which are incorrect or false or suppressing material information; or
- (vi) Resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination; or
- (vii) Using unfair means during the examination; or

- (viii) Writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter in the script(s); or
- (ix) Misbehaving in any other manner in the examination hall; or
- (x) Harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examination; or
- (xi) Violating any of the instructions issued to candidates alongwith their Admission Certificate permitting them to take the examination; or
- (xii) Attempting to commit or as the case may be abetting the commission of all or any of the act specified in the foregoing clauses.

may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable :—

(a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; or

(b) to be debarred either permanently or for a specified period :—

(i) by the Commission, from any examination or selection held by them;

(ii) by the Central Government from any employment under them; and

(c) to disciplinary action under the appropriate rules Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after :—

(i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf; and

(ii) taking the representation, if any, submitted by the candidate, within the period allowed to him, into consideration.

7. The names of the candidates who are considered by the Commission to be suitable for selection on the results of the examination shall be arranged in the order of merit in a single list for candidates belonging to both the Scheduled castes and Scheduled Tribes and in that order as many candidates as are found by the Commission to be qualified, shall be recommended for inclusion in the Select Lists, upto the required number.

NOTE :—Candidates should clearly understand that this is a competitive and not a qualifying examination. The number of persons to be included in each Select List on the result of the examination is entirely within the competence of Government to decide. No candidate will, therefore, have any claim for inclusion in the Select List on the basis of his performance in this examination, as a matter of right.

8. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

9. Success in the examination confers no right to select on unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary, that the candidate, having regard to his conduct in service, is eligible and suitable in all respects for selection.

Provided that the decision as to ineligibility for selection in the case of any candidate recommended for Selection by the Commission shall be taken in consultation with the Commission.

10. Candidates who after applying for admission to the examination or after appearing at it, resigns his appointment or otherwise quits the service or severs his connection with it or whose services are terminated by his Department or who is appointed to an ex-cadre post or to another Service on 'transfer' and does not have a lien in the grades and Services mentioned in Column I of the Rule 3 above will not be eligible for appointment on the results of this examination.

This, however, does not apply to a person who has been appointed on deputation to an ex-cadre post with the approval of the competent authority.

B. D. CHADHA
Under Secretary

APPENDIX

The examination shall be conducted according to the following plan :—

Part-I Written examination consisting of two papers in the following subjects each carrying 200 marks :—

Paper-I : (i) Procedure & Practice in the Government of India Secretariat and Attached Offices.

(For Categories I and II)

(ii) Office Procedure & Practice.

(For Category III)

Paper-II : General Knowledge of the Constitution of India and Machinery of Government, Practice & Procedure in Parliament.

The papers will be of 2½ hours duration each.

Part-II Evaluation of CRS and Interview of such of the candidates as may be decided by the Commission in their discretion—200 marks.

2. Syllabus of the examination will be as shown in the Schedule.

3. Candidates are allowed the option to answer the papers either in English or in Hindi (Devanagari). Question Papers will be set in English and Hindi.

NOTE (1) :—The option will be same for all the questions and not for different questions in the same paper.

NOTE (2) :—Candidates desirous of exercising the option to answer the papers in Hindi (Devanagari), should indicate their intention to do so in the relevant Column of the Application Form. Otherwise it would be assumed that they would answer all papers in English. The option once exercised shall be treated as final and no request for alteration in the said column shall be entertained.

NOTE (3) :—Candidates exercising the option to answer the papers in Hindi (Devanagari) may, if they so desire, give English version within brackets of the description of the technical terms, if any, in addition to the Hindi version.

4. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances they will be allowed the help of a scribe to write the answers for them.

5. The Commission have the discretion to fix qualifying marks in any or all the Parts of the examination. Only those candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion will be considered for evaluation of CRs and called for Interview.

6. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

7. Deduction upto 5 per cent of the maximum marks in the written subjects will be made for illegible handwriting.

8. Credit will be given for orderly, effective and exact expression combined with due economy of words in all subjects of examination.

9. Candidates should use only International Form of Indian Numerals (e.g. 1, 2, 3, 4, 5, etc.) while answering question papers.

SCHEDULE

Syllabus of the Examination

Where knowledge of the Rules, Orders, Instructions etc. is required, candidates will be expected to be conversant with amendments issued upto the date of notification of this examination.

PROCEDURE & PRACTICE IN GOVERNMENT OF INDIA SECRETARIAT AND ATTACHED OFFICERS :

(For Categories I and II)

This is intended to be an intensive and detailed test in methods and procedure of work in the Government of India Secretariat and Attached Offices. Some guidance on the subject can be obtained from :—

- (i) Manual of Office Procedure current at the time of the Notification.
- (ii) Notes on Office Procedure issued by the Institute of Secretariat Training and Management.
- (iii) "Hand Book of Orders regarding use of Hindi for Official purposes of the Union" issued by the Ministry of Home Affairs.

OFFICE PROCEDURE & PRACTICE :

(For Category III)

This is intended to be an intensive and detailed test in methods and procedure of work in the Ministry of Railways (Railway Board). Some guidance on the subject can be obtained from :—

- (i) Manual of Office Procedure current at the time of the Notification issued by the Ministry of Railways (Railway Board).
- (ii) "Hand Book of Orders regarding use of Hindi Official purposes of the Union" issued by the Ministry of Home Affairs.

GENERAL KNOWLEDGE OF THE CONSTITUTION OF INDIA MACHINERY OF GOVERNMENT, PRACTICE AND PROCEDURE IN PARLIAMENT.

Note :—Knowledge of the following will be expected (i) the main principles of the Constitution of India, (ii) Rules of Procedure and Conduct of Business in the Lok Sabha and the Rajya Sabha and (iii) the organisation of the machinery of Government of India—designation and allocation of subjects between Ministries, Departments and Attached and Subordinate Offices and their relation intense.

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)
DIRECTORATE GENERAL OF TECHNICAL DEVELOPMENT

New Delhi, the 20th April 1985

RESOLUTION

No. AC Panel/84/Vol.III.—In continuation of Resolution No AC/Panel/83/647 dated 17th September 83, consequent upon retirement of Shri M. L. Dabral, Member-Secretary, Development Panel on Asbestos Products Industry, Government of India have decided to amend the composition as under :—

Member

Sl. No. 17
Shri M. L. Debral
Ex-Development Officer (DGTD)
D-879, Laxmibai Nagar,
New Delhi.

Member-Secretary

Sl. No. 18
Shri P. K. Jain,
Development Officer,
DGTD, Udyog, Bhavan,
New Delhi.

The composition from Sl. No. 1 to 16 of Resolution 17-9-83 will remain the same.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all concerned. Ordered also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

K. C. GANJWAL, Dir. (Admn.)

MINISTRY OF AGRICULTURE & R. D.

DEPARTMENT OF AGRICULTURE & COOPN.

New Delhi, the 24th April 1984

RESOLUTION

No. 48-2/85-SHEEP.—It has been decided by the Government of India to constitute a Management Committee for the Central Sheep Breeding Farm, Hissar. The constitution of the Management Committee will be as under :—

Chairman

1. Additional Secretary
Department of Agriculture & Cooperation.

Member

2. Animal Husbandry Commissioner,
Deptt. of Agri. & Cooperation,

Member

3. Joint Secretary and
Financial Adviser,
Department of Agriculture
and Cooperation,

Member

4. Director,
Central Sheep Breeding Farm,
Hissar.

Member-Secretary

5. Joint Commissioner (Sheep)
Department of Agriculture
and Cooperation.

2. The Management Committee shall perform the functions and exercise the powers given below :—

- (a) Consider and approve all policy matters, lay down priorities necessary to meet the requirements of the scheme;
- (b) review the progress of implementation of the progress of works of the Farm;
- (c) consider and approve changes in the annual programme involving substantial re-allocation of funds in relation to the approved programme subject to restriction on powers of re-appropriation;
- (d) consider and recommend policies regarding all matters relating to personnel management.

3 The Management Committee shall carry out such directives as the Government of India may issue from time to time on any matter pertaining to the scheme.

4. The Management Committee shall exercise all the powers delegated to the Ministries of the Central Government under Rule 13(2) of the Delegation of Financial Powers Rules, 1958 as per the provisions of the said rules. This Delegation will not cover the following powers :—

- (i) creation of posts;
- (ii) write off of losses and
- (iii) re-appropriation of funds exceeding 10% of the original budget provisions.

5. The Management Committee may meet twice a year and even more frequently, if necessary.

ORDER

MINISTRY OF EDUCATION

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all the State Governments/Union Territories, All Ministries/Depths of Government of India, Cabinet Secretariat, Prime Minister's Secretariat, the President's Secretariat, The Planning Commission, the Comptroller and Auditor General of India, the Accountant General, Central Revenues, the Director of Commercial Audit, the Indian Council of Agricultural Research and Director General of Shipping.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

B. S. SARAO,
Additional Secy.

New Delhi, the 29th April 1985

No. F. 10-3/85-U-5.—In term of Rules 3 and 6 of the Indian Council of Social Science Research Rules, Shri K. P. Geethakrishnan, Additional Secretary to the Government of India to constitute a Management Committee for the Expenditure) is nominated as a Member of the Council Vice Smt. Otimia Bordia for the residual term, i.e. upto 24th July 1987.

S. K. SENGUPTA,
Under Secy.

